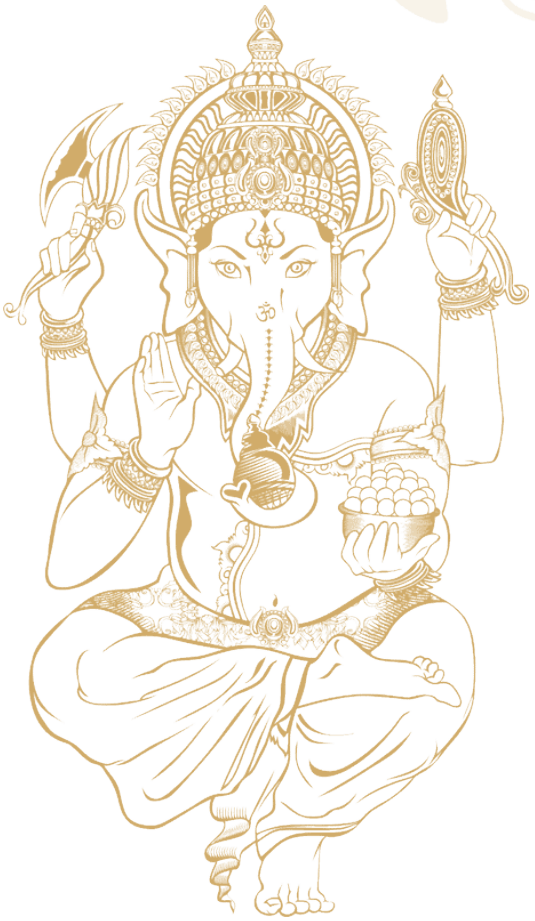

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120674202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/11/1988	जन्म तिथि	5-06/12/1989
गुरुवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 10:05:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 07:54:29	जन्म समय(घटी)	57:05:01 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Delhi
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:12	सूर्योदय	06:59:35
17:28:14	सूर्यास्त	17:23:52
23:42:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:09

विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 9मा 18दि

शनि	
06/09/2023	
06/09/2042	
शनि	09/09/2026
बुध	19/05/2029
केतु	28/06/2030
शुक्र	28/08/2033
सूर्य	10/08/2034
चन्द्र	10/03/2036
मंगल	19/04/2037
राहु	24/02/2040
गुरु	06/09/2042

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
11:53:47	धनु	लग्न	वृश्चि	06:22:33
01:21:05	वृश्चि	सूर्य	वृश्चि	20:08:42
05:08:23	कुंभ	चंद्र	कुंभ	19:39:13
08:39:11	मीन	मंगल	तुला	27:51:19
23:11:24	तुला	बुध	धनु	03:53:08
08:09:03	वृष व	गुरु व	मिथु	14:51:26
28:27:34	कन्या	शुक्र	मक	03:32:51
06:47:05	धनु	शनि	धनु	18:54:14
17:16:28	कुंभ	राहु	मक	25:02:23
17:16:28	सिंह	केतु	कर्क	25:02:23
05:26:28	धनु	हर्ष	धनु	10:29:36
14:38:50	धनु	नेप	धनु	17:20:49
19:18:36	तुला	प्लूटो	तुला	22:30:41

विंशोत्तरी
राहु 0वर्ष 5मा 18दि

बुध	
25/05/2025	
26/05/2042	
बुध	22/10/2027
केतु	18/10/2028
शुक्र	19/08/2031
सूर्य	24/06/2032
चन्द्र	24/11/2033
मंगल	21/11/2034
राहु	09/06/2037
गुरु	15/09/2039
शनि	26/05/2042

लग्न-चलित

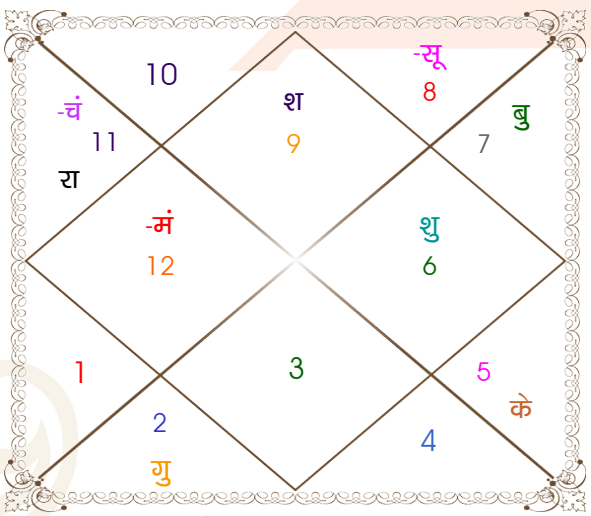

लग्न-चलित

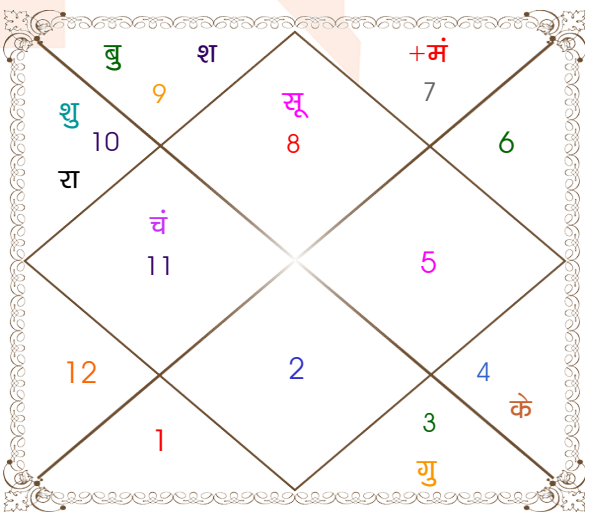

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।